Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In January 2018

साल की पहली मुलाकात की चाह को चाय ने बनाया खास

जीजेयू में नए साल का स्वागत करने के लिए ऑर्गेनाइज की टी-पार्टी

वीसी व रजिस्ट्रार का सबसे हैंडशेक

ठहाके लगाते टीचर्स

इस चाय ने दी पूरी साल एनर्जेटिक बने रहने की ऊर्जा

नये साल की शुरुआत हुई तो कोहरे के साथ मगर धीरे-धीरे सूरज की सुहावनी धूप भी खिली। इस चाय
ने टीचर्स में एक अलग ही ऊर्जा भरी। ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस के डीन प्रो. एससी कुंडू ने बड़े अनोखे
अंदाज में इस टी पार्टी को डिस्क्राइब करते हुए कहा कि आज जितने भी लोगों की गैदरिंग हुई अगर वो
वीसी को विश करना शुरू कर देते तो वो आज नाश्ते से लेकर खाना तक नहीं कर पाते मगर आज इस
चाय के बहाने हर किसी से व्यक्तिगत तौर पर बधाई दी। वहीं सीएसटी के एचओडी प्रो. विक्रम कौशिक
ने बताया कि यह मौका खास है, क्योंकि यहां यूनिवर्सिटी का परिवार एक साथ मिल रहा है।

वीसी से इंट्रैक्ट करते टीचर्स

नॉन-टीचिंग स्टाफ

दोस्तों के साथ फोटो सेशन

जीजेयू में 10 नए कोर्स शुरू होंगे

9

जीजेयू में वर्ष 2018 में 10 नए कोर्स शुरू होने हैं। इसमें प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, फार्मेसी, पैकेजिंग साइंस, आर्ट के कोर्स पर फोकस रहेगा। 1995 में यह यूनिवर्सिटी शुरू हुई थी। फिलहाल जिले के सभी कॉलेज वर्ष 2017 में जीजेयू से जोड़ दिए गए हैं। जीजेयू ने देश की टॉप 20 शिक्षक संस्थान में शामिल होने के लिए भी दावा ठोका है। यूनिवर्सिटी नैक से ए ग्रेड प्राप्त है।

हॉकी का एस्ट्रोटर्फ

10

हॉकी के एस्ट्रोटर्फ के साथ दूसरा मैदान भी बनाया जाना प्रस्तावित है। दूसरा मैदान बनने के बाद यहां इंटरनेशनल लेवल के मैच कराए जा सकेंगे। हॉकी एस्ट्रोटर्फ पर करीब नौ करोड़ खर्च कर बनाया गया है।

बनेगी एक और यूनिवर्सिटी

11

शहर में फिलहाल तीन यूनिवर्सिटी हैं। इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने के बाद यहां यूनिवर्सिटी बनेगी। इसमें युवाओं को छोटे हवाई जहाज को दुरुस्त करने की ट्रेनिंग दी जाएगी। यहां युवाओं को मेंटेनेंस और रिपेयरिंग का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा हुआ है।

ऑर्गेनिक सेंटर होगा शुरू

एचएयू की ओर से आर्गेनिक फार्मिंग सेंटर भी बनाया जा रहा है। वर्ष 2018 में यह शुरू हो जाएगा। इसमें किसानों को ऑर्गेनिक की जीरो बजट खेती के लिए जमीन दी जाएगी। किसानों को एचएयू के साइंटिस्ट की निगरानी में खेती करना सिखाया जाएगा। जीरो वेस्ट के फार्मूले को भी अपनाया जाएगा।

12

अमर उजाला 1/1/18

कार्रवाई | कॉलेज की ही एक छात्रा ने की थी शिकायत, जीजेयू ने की कार्रवाई

फाइन लगा स्टूडेंट्स की हाजिरी पूरी की सीआर लॉ कॉलेज पर ₹5 लाख जुर्माना

सुभाष चंद्र | हिसार

छाजू राम लॉ कॉलेज पर स्टूडेंट को फाइन लगाकर अटेंडेंस पूरी करने के मामले में पांच लाख का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना भरने के लिए कॉलेज प्रशासन को एक सप्ताह का समय दिया गया है। जुर्माने के साथ-साथ गुजवि की ओर से कॉलेज को स्टूडेंट के फाइन के रूप में जमा की गई राशि को भी वापस लौटाने के आदेश जारी किए गए हैं। गौरतलब है कि कॉलेज की ही एक छात्रा ने जीजेयू प्रशासन को कॉलेज में स्टूडेंट की अटेंडेंस पूरी करने के लिए फाइन लगाने का आरोप लगाया लगाते हुए जीजेयू वीसी से इस मामले में शिकायत की थी। विवि की ओर से मामले की गहनता से जांच की गई।

सीआर लॉ कॉलेज में स्टूडेंट को नो ड्यूज के लिए अटेंडेंस पूरी करने पर कॉलेज में बाकायदा नोटिस भी लगाए गए थे। 20 प्रतिशत तक अटेंडेंस वाले स्टूडेंट से 1500 रुपये, 21 से 40 प्रतिशत अटेंडेंस वालों से एक हजार रुपये व 41 से 60 प्रतिशत अटेंडेंस वाले स्टूडेंट के लिए 500 रुपये नो ड्यूज की फीस के रूप में वसूले जा रहे थे।

एग्जाम से पहले छात्रों की अटेंडेंस पूरी करने के आदेश

जीजेयू की ओर से सीआर लॉ कॉलेज को एग्जाम से पहले छात्रों की अटेंडेंस पूरी करने के आदेश भी जारी किए गए हैं। विवि की ओर से कॉलेज को सख्त निर्देश दिए गए हैं चाहे स्टूडेंट की सुबह-शाम की शिफ्ट लगाकर कक्षाएं लगवाई जाएं। लेकिन उनकी कक्षाओं में उपस्थिति सुनिश्चित हो ओर इसके बारे में विवि को रिपोर्ट की जाए।

कॉलेजों को देंगे आदेश

गुजवि प्रशासन की ओर से सीआर लॉ कॉलेज पर अटेंडेंस पूरी करवाने के नाम पर फाइन वसूलने के मामले में पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके लिए कॉलेज को एक सप्ताह का समय दिया गया है। इस तरह का मामला सामने आने पर अन्य कॉलेजों को भी इन मामलों को गंभीरता से लेने के आदेश जारी किए जाएंगे।

छात्रा को गलत ठहराने की कोशिश की

कॉलेज प्रशासन की ओर से कॉलेज में अटेंडेंस के नाम पर नाजायज तरीके से फाइन लेने की शिकायत पर प्रशासन की ओर से उसे गलत ठहराने की कोशिश भी की गई थी। लेकिन छात्रा ने जिस डेट को वह प्रिंसिपल से मिली थी, उसी डेट की लाइब्रेरी की एंट्री के व सीसीटीवी फुटेज के बारे में विवि को सूचना दी थी। इसके बाद जीजेयू की ओर से कॉलेज का रिकॉर्ड जब्त भी किया था। मामले में शिक्षामंत्री को भी ई-मेल के जरिए शिकायत भेजकर कार्रवाई की मांग की गई थी।" **अनिक कुमार पुंडीर**, रजिस्ट्रार।

दैनिक भास्कर- 6/1/18

फर्स्ट क्लास अफसर और वैज्ञानिक का बिना प्रवेश परीक्षा के होगा पीएचडी में दाखिला

हिसार नॉलेज हब से संबंधित लोगों को नहीं देनी होगी प्रवेश परीक्षा, जीजेयू में आवेदन की प्रक्रिया शुरू

जासं, हिसार : विश्वविद्यालयों सहित शहर के नौ अग्रणी रिसर्च संस्थानों (हिसार नॉलेज हब) के फर्स्ट क्लास अफसर या वैज्ञानिक, जीजेयू से पीएचडी कर सकते हैं। दाखिले के लिए इन लोगों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होगी। ये लोग संबंधित अध्यापक और सीटों की उपलब्धता के आधार पर दाखिला ले सकेंगे। जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि हिसार नॉलेज हब के लिए दो सीटें रिजर्व रखी गई हैं। पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए 16 जनवरी तक आवेदन किए जा सकते हैं। हिसार नॉलेज हब से संबंधित लोगों के अलावा विश्वविद्यालय के रेगुलर टीचर और विदेशी विद्यार्थियों को भी प्रवेश परीक्षा की छूट होगी। इसके अलावा नॉन टीचिंग स्टाफ के लिए दो सुपरन्युमेरिक सीटों का प्रावधान किया गया है। बता दें कि सुपरन्युमेरिक सीटों को लेकर पिछली बार भी विवाद हुआ था।

ये हैं सीटें

02	कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग
02	इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग
13	मैकेनिकल इंजीनियरिंग
05	कम्यूनिकेशन मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी
08	एनवायरमेंट साइंस एंड इंजीनियरिंग
04	बायो एंड नेनो टेक्नोलॉजी
16	फार्मास्यूटिक्ल साइंस
01	प्रींटिंग टेक्नोलॉजी
05	फिजिक्स
05	अप्लाइड साइकोलॉजी
01	फिजियोथेरेपी
01	कैमिस्ट्री
06	हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस
01	रिलिजियश स्टडीज

पीएचडी प्रवेश के लिए मुख्य तिथियां

फीस जमा करवाने की अंतिम तिथि 16 जनवरी

ऑनलाइन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 19 जनवरी

प्रवेश परीक्षा 21 जनवरी

प्रवेश परीक्षा 22 जनवरी

यह है हिसार नॉलेज हब

गत वर्ष शहर के नौ प्रतिष्ठित और अग्रणी संस्थानों ने मिलकर हिसार नॉलेज हब नाम से एक संगठन की स्थापना की थी, जिसका उद्देश्य मिलकर शोध, शिक्षण, प्रशिक्षण और अन्य गतिविधियों को बढ़ावा देना है। सभी संस्थान, शिक्षण और शोध कार्यों की गुणवत्ता बढ़ाने और संस्थाओं के खर्च को कम करने के लिए अपने संसाधन सांझा करेंगे। इन नौ शिक्षण संस्थानों में गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के अलावा लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र, सेंटर फॉर प्लांट बॉयोटेक्नोलॉजी, हकृवि, महाराजा अग्रसेन मेडीकल कॉलेज अग्रोहा, और एनआरएफएमटीटीआइ, ट्रैक्टर ट्रेनिंग सेंटर शामिल हैं।

हमने हिसार नॉलेज हब के लिए फर्स्ट क्लास के लोगों के लिए दो सीटें रखी हैं। इसके लिए प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होगी। इसके अलावा रेगुलर टीचर और विदेशी विद्यार्थियों के लिए भी प्रवेश परीक्षा से छूट दी गई है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति जीजेयू हिसार।

हमने पीएचडी के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। 16 जनवरी तक विद्यार्थी आवेदन फीस जमा करवा सकेंगे। 21 जनवरी को प्रवेश परीक्षा ली जाएगी।

डा. राजेश मल्होत्रा, डीन अकेडमिक अफेयर, जीजेयू।

दैनिक जागरण- 6/1/18

किसानों की बेटियों ने लगाए अचूक निशाने, जीजेयू ने झटके दो मेडल

खिलाड़ी संगीता का वर्ल्ड यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट के ट्रायल के लिए चयन

जागरण संवाददाता, हिसार : किसानों के घरों में जन्मी और सुबह-शाम मां के साथ घर के काम में हाथ बंटाने वाली बेटियों ने एक बार फिर दिखा दिया कि दुनिया की कोई भी सफलता उनके निशाने की जद से बाहर नहीं है। भुवनेश्वर में आयोजित इंटर यूनिवर्सिटी तीरंदाजी चैंपियनशिप में गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय की टीम की दो खिलाड़ियों ने अपने निशाने की बदौलत दो मेडल जीते हैं। गवर्नमेंट पीजी कालेज में बीए प्रथम वर्ष में पढ़ने वाली रीना ने इंडियन राउंड (30 मीटर) में व्यक्तिगत स्पर्धा में सिल्वर मेडल हासिल किया है। जबकि ओवरऑल वह तीसरे स्थान पर रही। वहीं सिंहराम मेमोरियल कालेज में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा संगीता ने रिकर्व राउंड (70 मीटर) की व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। संगीता का चयन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ट्रायल के लिए भी हो गया है।

माता-पिता ने कहा, बेटी तू खेल खर्च हम उठाएंगे : गांव कंवारी के बेहद साधारण परिवार से संबंध रखने वाली रीना ने बताया कि वह हर रोज पांच से छह घंटे प्रेक्टिस करती है। उसके पिता कृष्ण खेती करते हैं, जबकि मां सुदेश गृहिणी हैं। रीना ने बताया कि जब स्कूल में थी तो दूसरों को तीरंदाजी करते हुए देखकर उसके मन में ललक पैदा हुई। माता-पिता को बताया तो उन्होंने उसका पूरा सहयोग किया और कहा कि बेटी तू खेलना चाहती है तो खेल। हम सारा खर्च उठाएंगे।

कैंप और टूर के दौरान हमने सभी खिलाड़ियों को हर जरूरी सुविधाएं दी हैं। यही कारण है कि खिलाड़ी मेडल ला रहे हैं। आर्चरी में मेडल जीतने के लिए दोनों खिलाड़ियों को बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

– **डा. एसबी लूथरा,** खेल निदेशक जीजेयू हिसार।

अभ्यास करती खिलाड़ी। ● जागरण

तीरंदाज संगीता। ● जागरण

यूथ वर्ल्ड चैंपियनशिप में खेल चुकी हैं संगीता

गांव उमरा की रहने वाली संगीता पिछले वर्ष अर्जेंटिना गई भारतीय टीम का भी हिस्सा रहीं। अक्टूबर में वहां यूथ वर्ल्ड चैंपियनशिप हुई थी। जिसमें भारतीय टीम की तीन खिलाड़ियों में से एक संगीता भी थी। अब ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी की टीम में भी संगीता ने व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया है। जिसकी बदौलत उसका चयन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी के लिए ट्रायल के लिए हुआ है। संगीता के पिता भी किसान हैं और माता गृहिणी हैं।

यहां फ्री मिलती है कोचिंग

दोनों खिलाड़ी गांव उमरा में स्थित हिसार जिला तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र में कोचिंग लेती हैं। इस केंद्र में कोच मंजीत सिंह पिछले 8 सालों से खिलाड़ियों को फ्री में कोचिंग देते हैं। अकेडमी के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर 300 से अधिक मेडल जीते हैं। कोच मंजीत ने बताया कि यहां खिलाड़ियों को फ्री में कोचिंग दी जाती है। कंपाउंड, रिकर्व और इंडियन राउंड की प्रतिस्पर्धा के लिए यहां कोचिंग दी जाती है।

दैनिक जागरण - 8/1/18

Congratulations

TK 8/1/18

अच्छी खबर | पिछले वर्ष जीजेयू और इथोपिया सरकार के बीच हुआ था एमओयू, वीसी बोले- इंटरनेशनल हॉस्टल बनाने पर कर रहे हैं विचार

इथोपिया के लेक्चरर जीजेयू में बने पीएचडी के विद्यार्थी

संदीप बिश्नोई • हिसार

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अपनी छाप छोड़ने में कामयाब हो रहा है। इथोपिया में विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने वाले लेक्चरर अब जीजेयू से पीएचडी करेंगे। पहली बार विश्वविद्यालय में एक साथ 12 विदेशी विद्यार्थियों ने दाखिला लिया है। सभी विद्यार्थी इथोपिया में फैकल्टी हैं और यहां पीएचडी के लिए आए हैं।

वहीं इथोपिया के अलावा नेपाल, बांग्लादेश, ईरान और केन्या से भी 11 विद्यार्थी और विश्वविद्यालय में दाखिला ले सकते हैं। उनके दाखिले की प्रक्रिया अभी जारी है। जो विद्यार्थी यहां पहुंचे हैं, उन्हें फिलहाल फैकल्टी हाउस में ठहराया गया है। विदेशी विद्यार्थियों के यहां दाखिला लेने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन गदगद है। 1995 में स्थापना के बाद विश्वविद्यालय में पहली बार ऐसा हुआ है जब एक साथ इतने विद्यार्थियों ने यहां दाखिला लिया हो। इससे पहले अब तक विश्वविद्यालय से करीब 20 विदेशी विद्यार्थियों ने अपनी पढ़ाई पूरी की है। डीन इंटरनेशनल स्टूडेंट डा. संजीव कुमार ने बताया कि सत्र 2016-17 में 6 विद्यार्थी विश्वविद्यालय में ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को हर जरूरी सुविधाएं दी जा रही हैं। विश्वविद्यालय में विदेशी विद्यार्थियों के बढ़ते रूझान को देखते हुए भविष्य में इंटरनेशनल हॉस्टल बनाने पर भी विचार चल रहा है।

12 विद्यार्थियों ने लिया है दाखिला

20 विदेशी विद्यार्थी यहां पहले भी कर चुके हैं पढ़ाई पूरी

मैथ, नैनोटेक्नोलॉजी और मैनेजमेंट में करेंगे पीएचडी

इथोपिया से आए विद्यार्थी यहां विभिन्न विभागों व विषयों से पीएचडी करेंगे। 10 विद्यार्थी मैनेजमेंट, एक बायो नेनोटेक्नोलॉजी से और एक विद्यार्थी मैथ विषय से पीएचडी करेंगे। जो विद्यार्थी आ रहे हैं, वे इन तीनों विभागों सहित विभिन्न विभागों से पीएचडी में दाखिला लेंगे।

जीजेयू में दाखिला लेने वाले इथोपिया से आए विद्यार्थी • जागरण

हम यहां विदेशी विद्यार्थियों के ज्यादा दाखिलों के लिए प्रयास कर रहे थे। उन्हें इंटरनेशनल फैसिलिटी देंगे। इंटरनेशनल हॉस्टल बनाने को लेकर भी विचार किया जा रहा है।

डा. संजीव कुमार, डीन, इंटरनेशनल स्टूडेंट अफेयर, जीजेयू।

सरकार के सहयोग से इथोपिया के साथ एक एमओयू भी साइन किया गया था। सभी विद्यार्थी वहां पर विभिन्न संस्थानों में फैकल्टी हैं। हम इंटरनेशनल हॉस्टल को लेकर भी विचार कर रहे हैं और इसके लिए प्रोजेक्ट सरकार को भेजेंगे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू हिसार।

यहां के लोग अच्छे, लेकिन गर्मी चिंता का विषय : शोधार्थी

इथोपिया से आए शोधार्थी वरकु, टकलाब, दोरिना, तिलाहुन, एंडालकैशव, अशनफी, गेदियोन, सोलोमोन, अडिसू आदि ने बताया कि यहां का माहौल बेहद फ्रैंडली है। विद्यार्थी अच्छे हैं और उनकी सहायता कर रहे हैं। इसलिए यह हमारे घर की तरह है। जैसा हम सोचते थे, यहां के लोग उससे भी अच्छे हैं। 20 दिनों से यहां हैं, हम मार्केट जाते हैं तो हमें कम्युनिकेशन में सबसे अधिक समस्या आती है। लेकिन आम लोग भी हमारा सहयोग कर रहे हैं। टकलाब ने कहा कि यहां गर्मी के मौसम को लेकर चिंतित हैं।

दैनिक जागरण 11/1/18

गुजवि में मास्टर एथलैटिक विजेताओं का किया स्वागत

हिसार, 10 जनवरी (का.प्र.): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गिरि सैंटर में आयोजित हुई 27वीं हरियाणा मास्टर एथलैटिक चैम्पियनशिप में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के खेल निदेशक सहित 9 कर्मचारी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किए है। कर्मचारी खिलाड़ी बुधवार को खेल निदेशक डा.एस.बी. लुथरा के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर से मिले।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने खेल विभाग व कर्मचारी खिलाड़ियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डा. एस.बी. लुथरा ने बताया कि हरियाणा मास्टर एथलैटिक चैम्पियनशिप में 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में जेवलिन थ्रो प्रतियोगिता में डा. एन.एस. मलिक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में 5 किलोमीटर पैदल चाल पुरुष प्रतियोगिता में खेल निदेशक डा. एस.बी. लुथरा व महिला प्रतियोगिता में प्रो. सुजाता सांघी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वही पुरुष वर्ग में सहायक रामपाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

50 वर्ष से अधिक आयु महिला वर्ग में 5 किलोमीटर पैदल चाल प्रतियोगिता में सहायक कुलसचिव सुशीला सिवाच ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 60 वर्ष से अधिक आयुवर्ग में 5 किलोमीटर पैदल चाल प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त उपकुलसचिव बलबीर सिंह वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लिपिक शमशेर सिंह ने 3 पदक हासिल किए हैं। शमशेर सिंह ने 50 वर्ष से अधिक आयुवर्ग में ऊंची कूद में द्वितीय, 400 मीटर बाधा दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम तथा 110 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। लैब अटैंडैंट राममेहर ने 35 वर्ष से अधिक आयुवर्ग में लम्बी कूद प्रतियोगिता में तृतीय तथा 400 मीटर बाधा दौड़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। विरेन्द्र लिपिक ने 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में ऊंची कूद में तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

डा. एस.बी. लुथरा ने बताया कि विजेता खिलाड़ियों ने इस चैम्पियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करके बैंगलोर में 21 से 25 फरवरी तक होने वाली 39वीं नैशनल मास्टर्स एथलैटिक चैम्पियनशिप में अपनी जगह बना ली है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर से मिलते कर्मचारी खिलाड़ी।

जीजेयू में पीएचडी की 73 सीटों के लिए 678 आवेदन

रविवार को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में होंगी परीक्षाएं

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में पीएचडी के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 678 उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। सबसे अधिक आवेदन एमबीए में आए हैं। मैनेजमेंट से पीएचडी की छह सीटों के लिए 177 लोगों ने आवेदन किया है। वहीं फूड टेक्नोलॉजी में केवल 10 लोगों ने आवेदन किया है। विश्वविद्यालय में 16 विभागों में पीएचडी की कुल 73 सीटें हैं। इससे पहले नेट और जेआरएफ कर चुके 170 से अधिक विद्यार्थी विश्वविद्यालय में पीएचडी के लिए अप्लाई कर चुके हैं। विश्वविद्यालय में पीएचडी के लिए प्रवेश परीक्षा रविवार को होगी। परीक्षा को तीन चरणों में आयोजित की जाएगी।

विश्वविद्यालय के डीन अकेडमिक अफेयर डा. राजेश मल्होत्रा ने बताया कि पहले चरण में कंम्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, फिजिक्स, बायोटेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल साइंस, अप्लाइड साइकोलॉजी और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के लिए प्रवेश परीक्षा सुबह 10 से 12 बजे तक टीचिंग ब्लॉक सात में आयोजित की जाएगी। दूसरे चरण में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, एनवायरमेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग, रिलीजियस स्टडी, फिजियोथेरेपी और प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी के लिए प्रवेश परीक्षाएं दोपहर साढ़े 12 से ढाई बजे तक जीजेयू के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस में होगी। इसके अलावा तीसरे चरण में बाकी विषयों की परीक्षाएं टीचिंग ब्लॉक नंबर सात में 3 से 5 बजे के बीच होगी।

16 विभागों में पीएचडी के लिए होगी परीक्षा

06 फिजियोथेरेपी के लिए सबसे कम आवेदन

177 एमबीए में सबसे अधिक आवेदन आए

ये आए आवेदन

कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की दो सीटों के लिए 70, इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग की दो सीटों के लिए 34, मैकेनिकल इंजीनियरिंग की 13 सीटों के लिए 42, कम्युनिकेशन मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी की पांच सीटों के लिए 66, एनवायरमेंट साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की आठ सीटों के लिए 42, बायो एंड नेनो टेक्नोलॉजी की तीन सीटों के लिए 24, फार्मास्यूटिकल साइंस की कुल 16 सीटों के लिए 18, प्रींटिंग टेक्नोलॉजी की एक सीट के लिए 17, फिजिक्स की पांच सीटों के लिए 79 आवेदन आए।

दैनिक जागरण- 20/1/18

करार गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर

ऑनलाइन डिग्री और मार्कशीट के लिए गुजवि ने किया एमओयू

ऑनलाइन ही सत्यापित करवा सकेंगे अपने दस्तावेज

जागरण संवाददाता हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को अब डिग्री व मार्कशीट से संबंधित आने वाली समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का शैक्षणिक रिकॉर्ड अब ऑनलाइन उपलब्ध होगा। इसके लिए विश्वविद्यालय ने सीडीएसएल वेंचर्स लिमिटेड, न्यू दिल्ली के साथ एमओयू किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की मौजूदगी में हुए इस एमओयू पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने हस्ताक्षर किए। जबकि सीडीएसएल वेंचर्स लिमिटेड की और से कंपनी के प्रबंधक मुकेश चौहान ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

एमओयू आदान-प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी कदम है। प्रारंभिक सत्र से ही विद्यार्थियों के शैक्षणिक रिकॉर्ड को राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (एनएडी) के अनुसार ऑनलाइन किया जाएगा। विद्यार्थी एनएडी पोर्टल से ऑनलाइन अपनी डिग्री व मार्कशीट प्राप्त कर सकेंगे। प्रमाण पत्रों के लिए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, जिससे न केवल विद्यार्थी का समय बचेगा, बल्कि उन्हें जरूरत पड़ने पर तुरन्त उनके संबंधित प्रमाण पत्र उपलब्ध हो सकेंगे।

सीडीएसएल वेंचर्स लिमिटेड, न्यू दिल्ली एक डिपॉजिटरी कंपनी है, जिसके द्वारा यह ऑनलाइन पोर्टल विश्वविद्यालय को उपलब्ध करवाया जाएगा। ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थी अपनी मार्कशीट, डिग्री व ट्रांसक्रिप्ट प्राप्त कर सकते हैं।

यदि किसी भी विद्यार्थी को अपने दस्तावेजों को सत्यापित करवाना चाहता है तो उसके लिए भी ऑनलाइन सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि यह सुविधा फर्जी प्रमाण पत्र जैसी समस्याओं को रोकने के लिए भी एक बड़ा कदम साबित होगी। इस पोर्टल के माध्यम से प्लेसमेंट ड्राइव के लिए भी विद्यार्थियों का डाटाबेस भी प्रदान किया जा सकता है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने बताया कि यदि किसी भी विद्यार्थी के मूल कागजात गायब हो जाते हैं तो विद्यार्थी अपने प्रमाण पत्र व डिग्री की नकल प्रति ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं।

वेब पोर्टल के माध्यम से सेवा वितरण का समय कम हो जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला, कम्प्यूटर और सूचना केन्द्र निदेशक मुकेश अरोड़ा, उप कुलसचिव डा. एसएस दलाल व प्रोग्रामर रामकाल पूनिया भी मौजूद थे।

दैनिक जागरण- 25/1/18

वेदों और ग्रंथों के आधार पर किए जाएंगे शोध, गुजवि में खुलेगा केंद्र

देश के पहले एनसिएंट इंडियन साइंस सेंटर की होगी स्थापना

संदीप बिश्नोई ● हिसार

हजारों साल पुराने जिन वेदों-पुराणों और उपनिषद आदि प्राचीन ग्रंथों को हम पढ़ते या सुनते आए हैं, उन्हें विज्ञानी तथ्यों के साथ आसान तरीके से लोगों के सामने रखने और उनके आधार पर नए आविष्कार करने के लिए शोध किया जाएगा। इसके लिए गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (गुजवि) में डॉ एपीजे अब्दुल कलम के नाम से प्राचीन भारतीय विज्ञान केंद्र खोलने की योजना है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि ऋग्वेद सहित विभिन्न वेद-ग्रंथों का हर श्लोक अपार ज्ञान समेटे हुए है, बस उसे समझकर उसके आधार पर शोध करने की आवश्यकता है। इस केंद्र के लिए हाल ही में वेदों पर विज्ञानी शोध संस्थान की निदेशक एवं आइआरएस सरोज बाला ने कुलपति को प्रेजेंटेशन दी है, जिसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन इस दिशा में सकारात्मक रुख दिखा रहा है।

दूसरे देश दिखा रहे इंटरेस्ट, तो हम क्यों नहीं : विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रामायण-महाभारत आदि जितने भी ग्रंथ हैं, सब साइंटिफिक रूप से भी सही हैं, यह विज्ञानी सरोज बाला ने साबित भी किया है। अब उन्हीं के साथ मिलकर वे विश्वविद्यालय में इस केंद्र की स्थापना करने की योजना बना रहे हैं। सरोज बाला पिछले 18 वर्षों में वेदों पर किए गए रिसर्च कार्य को विश्वविद्यालय को समर्पित करने के लिए तैयार है। यह केंद्र शोध कार्यों को नई दिशा देगा।

ऋग्वेद में 8 हजार साल पहले ही लिखा था कि पृथ्वी सूर्य के चारों तरफ घूमती है

सरोज बाला की मानें तो आठ हजार साल पुराने ऋग्वेद के दसवें मंडल के 189वें उपमंडल में लिखे पहले ही मंत्र में इस बात का जिक्र है कि पृथ्वी सूर्य के चारों तरफ घूमती है और चंद्रमा पृथ्वी के चारों तरफ घूमता है, जबकि आज हमें पढ़ाया जाता है कि ग्लेलियो ने इसकी खोज की थी। वहीं आकाश में कैसे उड़ते हैं, ये तो हमारे ग्रंथों में भी है, लेकिन हम हवाई जहाज बनाने का प्रेक्टिकल नहीं कर सके। अब हमें अपने ग्रंथों के आधार पर इनोवेशन करने की जरूरत है।

गुजवि के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर।

पहले बैच में 40 विद्यार्थी, 10 विज्ञानी

कुलपति ने बताया कि शुरुआती चरण में हम सरोज बाला सहित 10 बेहतरीन विज्ञानियों को सेंटर की बागडोर सौंपेंगे। वहीं शुरुआत में 40 विद्यार्थियों को रखा जाएगा। अभी इसके लिए क्राइटेरिया निर्धारित नहीं किया गया है, लेकिन इतना तय है कि जो भी विद्यार्थी दाखिला लेंगे। उनके लिए अंग्रेजी हिंदी के साथ साथ संस्कृत का ज्ञान होना भी अनिवार्य होगा।

प्राचीन विज्ञान को लेकर चिंतित थे कलाम

बकौल सरोज बाला डा. अब्दुल कलाम प्राचीन विज्ञान को लेकर बेहद चिंतित थे। उनका कहना था कि हमारे ग्रंथों में सभी तरह की थ्योरी है। हमें इस पर काम करने की जरूरत है। उनके दिशा-निर्देश के बाद ही उन्होंने इस दिशा में काम करना शुरू किया था और आज वेदों पर रिसर्च का बहुत डाटा एकत्रित कर चुकी है।

प्रदेश में अलग से संस्कृत शिक्षा बोर्ड के गठन की प्रक्रिया शुरू

बलवान शर्मा ● भिवानी

हरियाणा में संस्कृत का अलग से बोर्ड के गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत को बढ़ावा देने को लेकर भाजपा सरकार ने यह नया कदम उठाने की तैयारी कर ली है। हरियाणा संस्कृत अकादमी के निदेशक डा. सोमेश्वर दत्त शर्मा ने विशेष बातचीत में बताया कि अकादमी का प्रयास है कि हरियाणा में संस्कृत का अलग से शिक्षा बोर्ड गठित किया जाए। इसके लिए शिक्षा मंत्री व सरकार से बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा देवभूमि है और भगवान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र में ही गीता का संदेश दिया था। ऐसे में संस्कृत को बढ़ावा देना बहुत जरूरी है। इसी के तहत सरकार नए बोर्ड का गठन करने जा रही है।

शिक्षा बोर्ड की भी संस्कृत शाखा शुरू करने की योजना: हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने भी इस योजना के तहत बोर्ड में संस्कृत शाखा शुरू करने की योजना बनाई है। सूत्र बताते हैं कि 11 जनवरी को बोर्ड निदेशक मंडल की बैठक में मुद्दा रखा गया था कि संस्कृत शाखा शुरू की जाए। इसमें संस्कृत के विद्वान ही नियुक्त किए जाने हैं, लेकिन अभी इसे मंजूरी नहीं मिली है।

ये है प्रस्ताव : प्रदेश में चल रहे सभी गुरुकुल को इसी बोर्ड से संबद्धता दी जाएगी और आने वाले समय में गुरुकुल की परीक्षाएं बोर्ड द्वारा ही आयोजित करवाई जाएंगी। गुरुकुल में प्रथमा (नौंवी व दसवीं), पूर्व मध्यमा (11वीं), उतर मध्यमा (12वीं) की कक्षाएं बनाई हुई हैं, जिन्हें आधुनिक शिक्षा पद्धति के समानांतर भी किया जाएगा।

हरियाणा में अलग से संस्कृत बोर्ड प्रदेश के संस्कृत विद्वानों का मान बढ़ेगा और संस्कृत साहित्य का विकास बढ़ेगा। संस्कृत में शोध होने से मूल्यपरक शिक्षा का विकास होगा और आज के युवाओं में संस्कृत के प्रति रुझान बढ़ेगा।

डा. रामजी शर्मा, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी एवं संस्कृत विभाग, काशी विद्यापीठ बनारस।

दैनिक जागरण - 25/1/18

गु.ज.वि. की अनुप्रिया करेगी राजपथ पर परेड का नेतृत्व

हिसार, 25 जनवरी (स.ह.): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की स्वयंसेविका छात्रा अनुप्रिया 26 जनवरी को राजपथ, दिल्ली में होने वाली गणतंत्र दिवस समारोह की परेड के 200 स्वयंसेवकों के एक दल का नेतृत्व करेंगी। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के 3 अन्य स्वयंसेवक रजत, ललित और रिंकू भी इस परेड में भाग ले रहे हैं।

वि.वि.के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई व स्वयंसेवकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की समन्वयक प्रो. सुजाता सांधी ने बताया कि विश्वविद्यालय के ये स्वयंसेवक देशभर के 37 लाख स्वयंसेवकों में से इस परेड के लिए चुने गए हैं।

यह विश्वविद्यालय तथा पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। स्वयंसेवकों के इस चयन से विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई को नई पहचान मिली है तथा विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों में खुशी की लहर है।

गणतंत्र दिवस समारोह परेड की रिहर्सल में भाग लेती गु.ज.वि. प्रौ.वि. हिसार की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की स्वयंसेविका अनुप्रिया।

पंजाब केसरी - 26/1/18